Daily Current Affairs
30 May 2025

Daily Current Affairs Quiz 30 May 2026

Q1. मेकेदातु कण्ठ (Mekedatu Gorge) कावेरी और किस अन्य नदी के संगम पर स्थित है?
(a) पेन्नार
(b) अर्कवती
(c) काबिनी
(d) भवानी
Ans.(b)
Sol. सही उत्तर (B) अर्कवती है।
व्याख्या:
• मेकेदातु, जिसका कन्नड़ में अर्थ 'बकरी की छलांग' है, कावेरी नदी द्वारा बनाई गई एक प्रसिद्ध गहरी तंग घाटी (gorge) है। यह भौगोलिक रूप से उस बिंदु से ठीक आगे (डाउनरिवर) स्थित है जहां अर्कवती नदी कावेरी नदी की मुख्य धारा में मिलती है (इस स्थान को स्थानीय रूप से संगम कहा जाता है)।
• अर्कवती नदी एक महत्वपूर्ण पर्वतीय नदी है जो चिक्काबल्लापुर जिले की नंदी पहाड़ियों से निकलती है। यह कनकपुरा में कावेरी में मिलने से पहले बेंगलुरु और रामनगर के ग्रामीण परिदृश्यों से होते हुए दक्षिण की ओर बहती है।
• मेकेदातु कण्ठ पर, संयुक्त नदियों के पानी की विशाल मात्रा बलपूर्वक एक उल्लेखनीय रूप से संकीर्ण, गहरी ग्रेनाइट की दरार से होकर गुजरती है, जिससे पानी की एक शक्तिशाली धारा उत्पन्न होती है जो इस क्षेत्र की एक विशिष्ट भौगोलिक विशेषता बनाती है।
Information Booster:
• मेकेदातु नाम स्थानीय लोककथाओं से उत्पन्न हुआ है, जिसमें कहा गया है कि यह कण्ठ कभी इतना संकीर्ण था कि एक शिकारी द्वारा पीछा की जाने वाली एक जंगली बकरी एक चट्टानी किनारे से दूसरे चट्टानी किनारे तक पूरी घाटी को छलांग लगाकर पार करने में सफल रही थी।
• सहस्राब्दियों से निरंतर हाइड्रोलिक क्रिया और अनियंत्रित रूप से घूमती नदी की धाराओं के कारण, कण्ठ की ग्रेनाइट चट्टानों में गहरे गड्ढे (potholes) और चिकने मार्ग बन गए हैं, जो इसे एक प्रमुख भूवैज्ञानिक पर्यटन स्थल बनाते हैं।
• प्रस्तावित संतुलन जलाशय परियोजना का उद्देश्य भारी मानसून के मौसम के दौरान कावेरी और अर्कवती दोनों धाराओं से प्रवेश करने वाले अतिरिक्त पानी को संचित करना है।
Additional Knowledge:
• पेन्नार नदी (विकल्प A): दक्षिण भारत में पूर्व की ओर बहने वाली एक स्वतंत्र नदी प्रणाली है जो कर्नाटक की नंदी पहाड़ियों से निकलती है और आंध्र प्रदेश से होते हुए सीधे बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
• काबिनी नदी (विकल्प C): कावेरी नदी की बाईं ओर से मिलने वाली एक प्रमुख बारहमासी सहायक नदी है जो केरल के वायनाड जिले से निकलती है और पूर्व की ओर बहकर कर्नाटक के तिरुमाकुदालु नरसीपुरा में कावेरी में मिल जाती है।
• भवानी नदी (विकल्प D): कावेरी नदी की दाईं ओर से मिलने वाली एक प्रमुख सहायक नदी है जो मुख्य रूप से केरल और तमिलनाडु से होकर बहती है, और इरोड के पास भवानी में मुख्य कावेरी धारा में मिल जाती है।

Q2. मेकेदातु (Mekedatu) परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) के मूल्यांकन के लिए कौन सा प्राधिकरण जिम्मेदार है?
(a) नीति (NITI) आयोग
(b) भारत निर्वाचन आयोग
(c) केंद्रीय जल आयोग
(d) राष्ट्रीय हरित अधिकरण
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) केंद्रीय जल आयोग है।
व्याख्या:
• केंद्रीय जल आयोग (CWC) भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के तहत एक अग्रणी तकनीकी संगठन है, जिसे मेकेदातु जैसी प्रमुख नदी घाटी परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) का मूल्यांकन करने और उन्हें मंजूरी देने का काम सौंपा गया है।

• किसी भी प्रमुख अंतर-राज्यीय नदी परियोजना के लिए, राज्य सरकार को इंजीनियरिंग डिजाइन, जल विज्ञान संबंधी अनुमानों, भंडारण क्षमताओं और लागत-लाभ अनुपात का विवरण देने वाली एक सूक्ष्म DPR जांच और तकनीकी-आर्थिक मंजूरी के लिए CWC को सौंपनी होती है।
• चूंकि मेकेदातु परियोजना कावेरी नदी से जुड़ी है—जो कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के बीच साझा की जाने वाली एक अंतर-राज्यीय नदी प्रणाली है—इसलिए CWC अपनी मंजूरी देने से पहले यह सत्यापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि प्रस्तावित डिजाइन मौजूदा जल आवंटन या कानूनी आदेशों का उल्लंघन तो नहीं करता है।
Information Booster:
• केंद्रीय जल आयोग के प्रमुख एक अध्यक्ष होते हैं और इसे तीन मुख्य विशिष्ट कार्यात्मक विंग में वर्गीकृत किया गया है: डिजाइन और अनुसंधान, नदी प्रबंधन, और जल योजना और परियोजनाएं।
• तकनीकी-आर्थिक मंजूरी के अलावा, मेकेदातु परियोजना को अलग से वैधानिक मंजूरियों की आवश्यकता होती है, जिसमें पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) से पर्यावरणीय मंजूरी, वन्यजीव मंजूरी और संरक्षित वन भूमि पर इसके प्रभाव के कारण वन मंजूरी शामिल है।
• कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (CWMA) एक अन्य विशिष्ट नियामक निकाय है जो न्यायिक आदेशों के अनुसार राज्यों के बीच पानी छोड़े जाने की निगरानी और विनियमन करता है।
Additional Knowledge:
• नीति आयोग (विकल्प A): भारत सरकार का प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक है जो रणनीतिक, दिशात्मक इनपुट प्रदान करता है और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देता है, लेकिन इसके पास बांध इंजीनियरिंग के खाकों को मंजूरी देने का तकनीकी अधिकार नहीं है।
• भारत निर्वाचन आयोग (विकल्प B): एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण जो राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर भारत में चुनावी प्रक्रियाओं के संचालन के लिए जिम्मेदार है, जिसका जल संसाधन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से कोई संबंध नहीं है।
• राष्ट्रीय हरित अधिकरण (विकल्प D): पर्यावरण संरक्षण और संरक्षण से संबंधित मामलों के प्रभावी और त्वरित निपटान के लिए NGT अधिनियम 2010 के तहत स्थापित एक विशिष्ट न्यायिक निकाय है; यह परियोजना रिपोर्ट मूल्यांकन निकाय के बजाय पर्यावरणीय उल्लंघनों के संबंध में कानूनी विवादों की सुनवाई करने वाली अदालत के रूप में कार्य करता है।

Q3. मेकेदातु बांध परियोजना से किस वन्यजीव अभयारण्य के कुछ हिस्सों के जलमग्न होने की संभावना है?
(a) बांदीपुर वन्यजीव अभयारण्य
(b) नागरहोल वन्यजीव अभयारण्य
(c) कावेरी वन्यजीव अभयारण्य
(d) भद्रा वन्यजीव अभयारण्य
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) कावेरी वन्यजीव अभयारण्य है।
व्याख्या:
• कर्नाटक सरकार द्वारा परिकल्पित प्रस्तावित मेकेदातु संतुलन जलाशय (balancing reservoir) परियोजना से लगभग 5,000 हेक्टेयर वन भूमि के जलमग्न होने की संभावना है, जिसका एक बड़ा हिस्सा सीधे कावेरी वन्यजीव अभयारण्य के अंतर्गत आता है।
• पर्यावरणविदों और वन्यजीव कार्यकर्ताओं ने गंभीर चिंताएं जताई हैं क्योंकि यह अभयारण्य एक महत्वपूर्ण वन्यजीव गलियारे के रूप में कार्य करता है, जो उत्तर में बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान को दक्षिण में बिलीगिरी रंगनाथ मंदिर (BRT) बाघ अभयारण्य और माले महादेश्वर हिल्स वन्यजीव अभयारण्य से जोड़ता है।
• इस प्राचीन नदीय पारिस्थितिकी तंत्र के जलमग्न होने से कई लुप्तप्राय और संकटग्रस्त प्रजातियों के आवास गंभीर रूप से खंडित हो जाएंगे, जिससे ऐतिहासिक वन्यजीव प्रवासी मार्गों, विशेष रूप से एशियाई हाथियों के मार्गों में स्थायी व्यवधान पैदा होगा।
Information Booster:
• कावेरी वन्यजीव अभयारण्य भौगोलिक रूप से कर्नाटक के मांड्या, चामराजनगर और रामनगर जिलों में फैला हुआ है, और कावेरी नदी इसके बिल्कुल बीच से होकर बहती है।
• यह अभयारण्य अद्वितीय और लुप्तप्राय नदीय जीवों का घर है, जिसमें अत्यधिक संकटग्रस्त ग्रिजल्ड जाइंट स्क्विरेल (चित्तीदार विशाल गिलहरी), स्मूथ-कोटेड ऑटर (चिकने बालों वाला ऊदबिलाव), और गंभीर रूप से लुप्तप्राय हम्प-बैक्ड महाशीर मछली शामिल हैं।
• इसमें शीर्ष शिकारी और विशाल शाकाहारी जीव भी पाए जाते हैं, जिनमें तेंदुए, ढोल (जंगली कुत्ते), हाथी और बाघों की एक संभलती हुई आबादी शामिल है।

Additional Knowledge:
• बांदीपुर वन्यजीव अभयारण्य (विकल्प A): कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के त्रि-जंक्शन पर स्थित, यह नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और मेकेदातु स्थल से बहुत दूर, बाघों और हाथियों के अपने उच्च घनत्व के लिए प्रसिद्ध है।
• नागरहोल वन्यजीव अभयारण्य (विकल्प B): इसे राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान के नाम से भी जाना जाता है, यह कर्नाटक के कोडागु और मैसुरु जिलों में स्थित है और काबिनी नदी जलाशय पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा पोषित है।
• भद्रा वन्यजीव अभयारण्य (विकल्प D): कर्नाटक के मध्य-पश्चिमी भाग में चिक्कमगलुरु जिले में स्थित यह महत्वपूर्ण बाघ अभयारण्य भद्रा नदी के चारों ओर केंद्रित है, जो कृष्णा नदी प्रणाली की एक प्रमुख सहायक नदी है।

Q4. मेकेदातु बांध परियोजना किस नदी पर बनाए जाने का प्रस्ताव है?
(a) कृष्णा नदी
(b) गोदावरी नदी
(c) कावेरी नदी
(d) तुंगभद्रा नदी
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) कावेरी नदी है।
व्याख्या:
• मेकेदातु परियोजना कर्नाटक सरकार द्वारा परिकल्पित एक प्रस्तावित बहुउद्देशीय संतुलन जलाशय (balancing reservoir) परियोजना है जिसे बारहमासी कावेरी नदी की मुख्य धारा पर बनाया जाना है।
• इस परियोजना के दो मुख्य उद्देश्य हैं: पहला, बेंगलुरु के तेजी से बढ़ते महानगरीय क्षेत्र और उसके आसपास के जिलों को सुरक्षित और स्थिर पेयजल की आपूर्ति करना; और दूसरा, लगभग 400 मेगावाट (MW) स्वच्छ जलविद्युत ऊर्जा उत्पन्न करना।
• यह परियोजना पड़ोसी राज्यों कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच राजनीतिक और कानूनी विवाद का एक प्रमुख बिंदु बन गई है, जिससे अंतर-राज्यीय नदी जल साझाकरण समझौतों और कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण (CWDT) तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनिवार्य ऐतिहासिक आवंटन के संबंध में गहन बहस छिड़ गई है।
Information Booster:
• कावेरी नदी को 'दक्षिण गंगा' के नाम से जाना जाता है। यह कर्नाटक के कोडागु जिले में पश्चिमी घाट की ब्रह्मगिरी श्रेणी में तलकावेरी से निकलती है।
• यह नदी कर्नाटक और तमिलनाडु में लगभग 800 किलोमीटर तक दक्षिण-पूर्व दिशा में बहती है और बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले एक विस्तृत डेल्टा नेटवर्क में विभाजित हो जाती है।
• निचले प्रवाह पर स्थित राज्य तमिलनाडु इस बांध का विरोध करता है, उसका तर्क है कि किसी भी नई संरचना से पानी का प्रवाह बदल जाएगा और उसके उपजाऊ डेल्टा क्षेत्र में किसानों के लिए महत्वपूर्ण जल आपूर्ति खतरे में पड़ जाएगी।
Additional Knowledge:
• कृष्णा नदी (विकल्प A): पूर्व की ओर बहने वाली दूसरी सबसे बड़ी प्रायद्वीपीय नदी है, जो महाराष्ट्र के महाबलेश्वर से निकलती है और कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से होकर बहती है।
• गोदावरी नदी (विकल्प B): भारत की सबसे बड़ी प्रायद्वीपीय नदी प्रणाली है, जो महाराष्ट्र के नासिक जिले में त्र्यंबकेश्वर से निकलती है, इसे अक्सर वृद्ध गंगा भी कहा जाता है।
• तुंगभद्रा नदी (विकल्प D): कृष्णा नदी की एक प्रमुख पवित्र सहायक नदी है, जो कर्नाटक के कूडली में तुंगा और भद्रा नदियों के संगम से बनती है, जो हम्पी के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल को पोषित करती है।

Q5. मेकेदातु कर्नाटक के किस जिले के पास स्थित है?
(a) मैसुरु
(b) रामनगर
(c) बेलागावी
(d) धारवाड़
Ans.(b)

Sol. सही उत्तर (B) रामनगर है।

व्याख्या:

• भौगोलिक रूप से, मेकेदातु कण्ठ (gorge) और संतुलन जलाशय परियोजना के लिए प्रस्तावित स्थल दक्षिणी कर्नाटक के रामनगर जिले के कनकपुरा तालुक के अंतर्गत स्थित हैं।

• यह स्थल राजधानी शहर बेंगलुरु से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित है, जो इसे बेंगलुरु के तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार की पेयजल मांगों को पूरा करने के लिए जल संसाधनों का दोहन करने के दृष्टिकोण से एक रणनीतिक स्थान बनाता है।

• रामनगर जिले को आधिकारिक तौर पर अगस्त 2007 में तत्कालीन बेंगलुरु ग्रामीण जिले से अलग करके बनाया गया था, और यह बेंगलुरु शहरी, मांड्या, तुमकुर और चामराजनगर जिलों के साथ-साथ दक्षिण में तमिलनाडु राज्य के साथ सीमाएं साझा करता है।

Information Booster:

• रेशम के कोकून (silk cocoons) के अपने विशाल बाजार और फलते-फूलते रेशम उत्पादन उद्योग के कारण रामनगर पूरे भारत में 'सिल्क सिटी' या 'सिल्क टाउन' के रूप में व्यापक रूप से प्रसिद्ध है, जो एशिया में सबसे बड़े उद्योगों में से एक है।

• रामनगर का परिदृश्य विशाल, प्राचीन ग्रेनाइट पहाड़ियों और शिलाखंडों से सुसज्जित है। इन पहाड़ियों ने प्रसिद्ध बॉलीवुड फिल्म 'शोले' (जिसमें काल्पनिक गांव रामगढ़ को दिखाया गया था) की शूटिंग के लिए प्रतिष्ठित ऊबड़-खाबड़ पृष्ठभूमि का काम किया था।

• इस जिले में रामदेवर बेट्टा स्थित है, जो लुप्तप्राय लॉन्ग-बिल्ड वल्चर्स (लंबी चोंच वाले गिद्धों) के संरक्षण के लिए स्थापित भारत का एकमात्र समर्पित अभयारण्य है।

Additional Knowledge:

• मैसुरु जिला (विकल्प A): आगे दक्षिण-पश्चिम में स्थित एक प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत केंद्र है, जो वाडियार राजवंश के महलों, दशहरा उत्सवों और KRS (कृष्ण राज सागर) बांध से अपनी निकटता के लिए प्रसिद्ध है।

• बेलागावी जिला (विकल्प C): महाराष्ट्र और गोवा की सीमा के साथ उत्तर-पश्चिमी कर्नाटक में स्थित है, जो एक प्रमुख कृषि और औद्योगिक केंद्र के रूप में कार्य करता है तथा अपने अद्वितीय व्यावसायिक और सीमावर्ती इतिहास के लिए जाना जाता है।

• धारवाड़ जिला (विकल्प D): उत्तरी-केंद्रीय कर्नाटक में स्थित है, जो हुबली के साथ मिलकर एक जुड़वां शहर नगर निगम बनाता है, और इसे एक प्रमुख शैक्षणिक राजधानी और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के केंद्र के रूप में व्यापक रूप से सराहा जाता है।